पोथीभाषानुवणकीअरमानमंजरीकीछे

॥श्रीगुरुभ्योनमः॥अथभावभूषणलि॥दोहा
विघनहरनतुमहोसदाः गनपतिहोऊसहा
य विनतीकरजोरैंकरैंदीजैग्रंथवनाय १
जिहिंकीनोंपरपंचसवऋयनीइछायायः ता
कोंहोवंदनकरोंहाथजोरिसिरनाय २ करु
नाकरियोघतसदासकलसृष्टिकेप्रांनः ऐ
सेईश्वरकोंहीयेंरहोरैंनदिनध्यांन ३ मेरेम
नमेंतुमरहोऐसीक्योंकहिजाय ४ रागीम
नमिलिरूपांमसोंनयोनगहरेलाल यहऋ
चिरजउजलनयोतज्योमेलतिहिंकाल ५
॥अथचतुरविधिनायक॥एकनारिसोंहि
तकरैसोअनुकूलवषानिं वहुनारीसोंप्री
तिसमताकोंदछिनजांनि ६ मीठीवातेंसव
कहैकरिकेवोहतविगार : आवतलाजना
धिष्टकोंकियेंकोटिधिकार ७॥अथना
यकभेद॥स्वकीयापतिसोंपतिकहैपरना
रीउपपति वैसकनायककीसदागनिकासौं
हितरति: ८॥अथनायकाभेद॥पदमिनि

चित्रनिसंषिनी विविधिनायकाभेदमैं च्यार
जातितियजांनि ॥अथ[illegible]नायकाभेद॥स्व
कीयाव्याहीनायका: परकीयापरवांम:
सोसामांन्यांनायकाजाकैधनसौंकाम
१०॥अथमुग्धामध्याप्रोढा॥विनजांनैं
अज्ञातहै:जांनैंजोवनज्ञात मुग्धाकेद्वै
भेदएकविसववरनतजात ११ मध्यासो
जोमैदोऊ:लजामदनसमांन: अतिप्रवी
नप्रोढावहैजाकोप्रियमैंप्रांन १२॥अथ
[illegible]भेद॥कियावचनमैंचातुरीयहै
विदग्धारीति: वक्रातउरायेंलंसषीलषी
लाक्षिताप्रीति १३ गुपतारतिगोपितक
रैत्रियपतिनकुलटाऔहि तिहचैजांनत
पियामिलनमुदिताकहियेताहि १४
विनसैगैरसहेटकीआगेहोइनहोइ
जाइसकीनसहेटमैंअनुसयानाहैसो
इ १५॥[illegible]॥
प्रोषितपतिकाविरहनीअतिरिसपति

सोहोइ पुनियाछैंयछितांइ६मःकलहं
तरितासोइ १६ पतिआवेकक्करैंनवासि
:प्रातघंमितागेरःजातिमिलनअनिसा
रिकाःकरिसिंगारसवदेह १७ पीयसहे
टपायोनहींचिंतामनमैंआनि सोचकरै
संतापसोउतकेवितावषांनि १८ विप्र
पायेंसंकेतपियःविप्रलवधतनाताप
वासकसज्ञातनसजैपीयआवनजीय
थाप १९ जाकैपतिआधनीकहिस्वा
धीनपतिकाताहि मोरसुनैंपीयकोगवन
प्रवत्स्यतिकाआहि २०॥अथकोलिगर्वि
ता॥अन्यसंभोगदुखिता॥रूपयेमअति
मांनसों ३विधिगर्वितांजांनि अनिसंभोग
दुखिताअनतमिलनपियमांनि २१
अथधीरादिभेद॥गोपकोपधीराकरैप्रग
टअरुकोपधीराकोप लक्षनधीरअधीर
कोकोपप्रगटअरुगोप २२॥अथत्रिविधि
धिमांन॥सहजेहांसीषेलतैंविनयवचन

उपजेरसकौअनुभवहोय ३७ आलंबन
आविलंविरसजामैंरहैंवनाइ नौलंरस
मैंसंचरैतेविभचारीभाइ ३८ ।।अथव्यभि
चारीभाव।। निर्वेदग्लानिसंकागरवचि
तामोहविवाददैन्यअसूयाम्रितिमद
आलससुमउनमाद ३९ व्रीडाजडता
हरषधृतिमतिआवेगवषानि आस्मृति
गोपनचपलताअपसमारभयजानि ४०
उतकंगनिद्रासुपनक्रोधउग्रताभाइ
व्याधिविषादवितर्कम्रितिएतेतीसगना
इ ४१ ।।अथअलंकारलिष्यते।।अथउ
पमाअलंकार।। इहिंविधिसवसमता
मिलेउपमासोईजानि ससिसोउज्जल
तियवदनपल्लवसमृदुपानि ४२ ।।अ
वाचकधर्मस
वस्तु...
वर्नेनियहैचौथेउपमान इकविनुदै
विनुतीनविनुलुप्तोपमाप्रमान ४३ वि
जुरीसीपंकजमुषीकनकलतापितलेषि

वनितारससिंगारकीकारनमूरतियेषि
धधा॥अथअनन्वयअ०॥उपमेईउपमान
जवकहतअनन्वयताहि तेरेमुषकीजो
रकोतेरोईमुषआहि ४पा॥अथउपमानो
पमेयअ०॥उपमांलागेपरसपरसोउपमा
नोपमेय षंजनहैतुवनैनसेतुवदृगंषंज
नसेय ४६॥अथपंचविधिप्रतीप॥सोप्र
तीपउपमेयकोंकीजेजवउपमान लोइना
सिअंबुजवतेमुषसोचंदवषान ४७ उप
मेकोउपमानतेंआदरजवेनहोइ गरबु
करतिमुषकोकहाचंदहिंनीकेंजोइ ४८
अनआदरउपमेयतेंजवपावेउपमान
तीछननेंनकटाछितेंमंदकामकेवान
४९ उपमेकोंउपमानजवसमतालाय
कनाहिं अतिउत्रमदृगमीनसेकहैकोंन
विधिजाहि ५० व्यर्थहोयउपमानजव
वनेनियलषिसार डिगआगेंमृगकछुन
एयंचप्रतीपप्रकार ५१॥अथदोगहि...

रूपकः॥ हैरूपकद्वैभांतिकौमिलितरूप अभेद अधिकन्यूनसमउक्तनकैंतीनतीनभेद ५२ मुषससिवाससितैंअधिक उदितजोतिदिनराति सागरतैंउपजीनयहैकमलाअपरसुहाति ५३ नैंनकमलएऐनहैंऔरकमलाकिहिंकाम गवनकरतिनीकीलगतिकनकलतायहवांम ५४ अतिसोभितविद्रुमअधरनहिसमुद्रउतपन्न तुवमुषपंकजविमलअतिसरससुवासप्रसन्न ५५ ॥अथपरिणामालंकारः॥ करैक्रियाउपमांनव्हैवर्णनीयपरिणाम लोचनकंजविसालतैंदेषतदेषौवाम ५६ ॥अथउल्लेषअलंकारः॥ सोउल्लेषजुएककौवहुसमुझेवहुरीति अर्थिनिसुरतरुतीयमदनअरिकौकालप्रतीति ५७ वहुविधिवरनैंएककौवहुगुनसौंउल्लेष मूरतिअर्जुनतेजरविसुरुगुरुवचनवि ४

सेष ५८॥अथस्मरणालंकार भ्रमालंका
रसंदेहालंकार॥सुमिरनभ्रमसंदेहएल
क्षिननांमप्रकास सुधिआवतिवावदनकी
देखेंसुधानिवास ५९ वदनसुधानिधिजा
नियेंउवसंगफिरतचकोर वदनकिधौंयें
हसीतकरकिधौंकमलनयनोर ६०॥अ
थशुद्धापह्नुति॥धर्मदुरैंआरोप
तेंशुद्धअपह्नुतिजांनि उरपरनांहिउरोज
एकनकलताफलमांनि ६१॥अथहेत्व
पह्नुति॥वस्तुदुरायेंयुक्तसौहेतअप
ह्नुतिहोय तीव्रचंदननरैंनरविवडवानल
हीजोय ६२॥अथपर्यस्तापह्नुति॥पर्य
स्तगुनएककौऔरविषेंआरोप होय
सुधाधरनांहियहवदनसुधाधरउय ६३
॥अथभ्रांतापह्नुति॥भ्रांतिपह्नुतिवचन
सौंभ्रमजवपरकौजाय तापकंपहैज्वर
नहींनांसखिमदनसंताय ६४॥अथछे
कापह्नुति॥छेकापह्नुतियुक्तिकरि

रसौं वात उराइ करत अधर दंत यौं यनहि
सषी सीत रितु वाइ ६५ ॥ अथ कैतवापन्हु
ति ॥ कैतवानि कुति एक कौं मिसु करि
वर्नत आंन तीछन तीय कटाछि मिसु व
रषत मनमथ वांन ६६ ॥ अथ उत्प्रेक्षा
॥ उत्प्रेक्षा संभावना वस्तु हेतु फल लेषि
नैंन मनौं अरविंद है सरस विसाल विसे
षि ६७ मनौं चली आंगन कठिन तातें रा
ते पाइ उवपद समता कौ कवल जल से
वत इकभाइ ६८ ॥ अथ रूपकातिशयो
क्ति ॥ अतिसयोक्ति रूपक जहां केव
लही उपमांन कनक लता पर चंद मांध
रे धनुष द्वै वांन ६९ ॥ अथ भेदकातिश
योक्ति ॥ अतिनि कवगुंन औरा
कौ औरै पर वहराइ सुधा भर्यो यह वद
न त्रव वदक है वोराइ ७० ॥ अथ संबंधा
तिशयोक्ति ॥ अतिशयोक्ति भेदक सवै
दाहैं विधि वरनत जात औरे हसि वो दे

षिवोओरैयाकीवात ७१॥अथशंबंधाति
शयोक्ति॥सेवंधातिशयोक्तितवंदेतअ
जोगहिजोग यापुरकेमंदिरकहेससिलौं
ऊंचेलोग ७२ अतिसयोक्ति३जीवहैजो
गअजोगवषांनु तोकरआगेकलपतरु
क्योपावेसनमांनु ७३ अथक्रमातिशक्ति
अतिशयोक्तिआक्रमजवेकारनकारि
जसंग तोसरलागतसाथहीधनुषहिंअ
रुअरिअंग ७४॥अथचपलातिसयोक्ति
॥चपलात्युक्तिजहेतकोहोतनमांहीक
ज केगनहीभईमूंदरीपीयगवनसुनि
आज ७५॥अथअत्यंतातिशयोक्ति०॥
अत्यंतातिशयोक्तिसोपूर्वापरिक्रमनां
हि बाननपक्रचेकांनलोंअरिपहिलेगि
रिजांहि ७६॥अथतुल्ययोगिता०॥
तीन॥तुल्यजोगितातीनएलक्षिनक्रम
तेजांनि एकसब्दमेहितअहितवक्रमेंए
केवानि ७७ वक्रसोंसमतगुननिकरि

रहि विधि भिन्नप्रकार गुननिधि नीके दे
त रूतिपकौं अरि कौं हार ७८ नवलवधू
की वदन दुति अरु सकुचत अरविंद नै
ही श्री निधि धर्मनिधि उही दिंद्र अरु चंद
७९ ॥ अथ दीपक अलंकार ॥ सो दीपक नि
ज गुननि सौं वर्ण्यइतर इक भाइ गज म
द सौं नृप तेज सौं सोभा लहत वनाइ ८०
[illegible] ॥ दीपक आवृत्ति
तीन विधि [illegible] वृत्ति पद की होइ पुनि है अ
वृत्ति अर्थ [illegible] जैं कहीयै सोइ ८१ प
द अरु [illegible] न की आवृत्ति लीजे
लेषि घन [illegible] हैरी सषी निसि वरषै है
दोषि ८२ फूले वकुल कदंव केकेत कवि
कसे आहि [illegible] मत्त न ये है मोर अरु चात
कमत्त [illegible]हि ८३ ॥ [illegible]
[illegible] प्रतिवस्तूपमा सो समझिदो
ऊ वाक्य समान सोभा सूर प्रताप वरसो
[illegible]सूर रहि वान ८४ ॥ [illegible]

अलंकारदिष्टातसोलत्तिननांमप्रमांनं
कालिमांनंसासिहीवन्योनहीकीरतिमां
न ८५ अथनिदर्शनअलंकार॥कहियेॱ
त्रिविधिनिदर्शनावाक्यअर्थसमदोइ
एकदीयेपुनिऔरगुनऔरवस्तुमैंहोइ
८६ कहियेकारिजदेषिकछुललोवुरो
फलभाव दातासोम्यसुअंकुविनुपूरन
चंदवनाव ८७ देषोसहजैधरतयेषंज
नलीलानैनः तेजस्वीसोंनिवलवल म
हादेवअरुमैंन ८८॥अथव्यतिरेकअ
०॥व्यतिरेकजुउपमाननतेंउपमेंअधिको
देषि मुषहेंअंवुजसोसषीमीठीवात वि
सेषि ८९॥अथसंहोक्तिअ०॥सोसहो
क्तिसवसाथहीवरनैंरससरसाइकीर
तिअरिकुलसंगहीजलनिधियकंचीज
ाइ ९०॥अथविनोक्तिअ०॥हैविनोक्ति
द्वैभांतिकीप्रस्तुतकछुविनछीन अरुसो
भाअधिकीलहेप्रस्तुतक

दृगषंजनसेकंजैसेअंजनबिनसोसैन
लिसबगुनसरसातिहरंचकषाईहै
२ [illegible] समासोक्ति
स्तुतफुरैप्रस्तुतवर्ननमांऊ: कुमुदनि
प्रफुलितनईदेषिकलानिधिसांऊ
[illegible] हैपरिकरआस
लियैजहांविशेषणहोहि: ससिवद
यहनायकातापहरतिहैजोहि ५४
[illegible] साभिप्रायवि
षजवपरिकरअंकुरनाम: सूधैल
यकैकहैनैकुनमांनतिवांम ५५
[illegible] श्लेषअलंकृतिअर्थवः
एकशब्दमैहोत: होयनरूरननेहावि
ऐसोवदनउदोत ५६ [illegible]
[illegible] कैनीतिकेअप
तप्रसंस इकबरननप्रस्तुतावेनांइजे
स्तुतऐसा ५७ धनियहचरचाहांन
मकलसमैसघटेन: विपरीषतहैके

सेव आयुधसोइहिहेन ९९॥अथप्रस्तु
तुतांकुरअथ॥प्रस्तुतअंकुरहेकीयेप्रस्तु
मेंप्रस्तुइः कहागयोअलिकेवरैछाकि
नकोमलजाइ ९९॥अथप्रजोयोक्तिप॥
र्यायोक्तिप्रकीरधैकछुरचनासोवातमि
सुकरिकारिजसाधियेजोहैचितहिसुहा
त १०० चतुरवहैजिनजवगरैविनगुन
कारीमाल जमदोउवेगोवहोजातअन्हावे
नताल १०१॥अथव्याजस्तु॥व्याजस्तु
तिनिंदामिसहीजवेवमाईहोहिः सरग
चढायेपतितलेगंगकहाकहोंतोहि १०२
॥अथव्याजनिंदा॥व्याजनिंदनिंदाविषे
निंदाओरेहोइ सदाछीनकीनोंनन्हचंदा
मंदहैसोइ १०३॥अथआक्षेपअथ॥ती
न तीनजातिआक्षेपहे एकनिषेधाभास
पहिलेकाहियेआपकछुवंकुरिफेरि
तोस १०४ कुरेनिषेधजुवि
छितनतीतोलेषि होंनहि

यतनतापविसेषि १०५ सीतकिरनि देदरस
सहू अथवा तीयमुष आहि जाकूदई मो
जनमदै चले देस त्रमजाहि १०६ ॥ अथपूर्वि
रोधाभासः(?) भासेसवै विरोधसौय है वि
रोधाभास: उतरत होउतरत नहीं मनतें
प्रोननिवास १०७ ॥ अथ विभावना ॥
॥ होति कछु भांति विभावना कारन बिन ही
काज: विनजावकदीनें चरन अरुनल
षेहें आज १०८ हेत अपूरन तें जवै कारि
ज पूरन होइ कुसमबांन कर गाहि मद
नसबजगजीत्यौजोइ १०९ प्रतिबंध
क केहोत लूं कारिज पूरन मांनि निसि
दिन स्त्रुति संगतितऊ नैंन रागकी षांनि
११० जवै अकारन वस्तुतें कारिजपर
गहोत कोकिलकी वांनी अवै कोलत
सुन्यो कपोत १११ कालकारनतें जवै
कारिज होहि विरुद्ध करत मोहि संता
प यह सषी सीतकर सुद्ध १२ पुनिक

ुकारिजतैंजवैउपजेकारनरूप नैंन
ननतैदेषियहसलिलावहतिअनूप
१३॥ अथ विशेषोक्ति अ०॥ विसेषोक्ति
ोहेतसौंकारिजउपजेनांहि नेहघटत
ाहिहेतऊकांमदीपचितमांहि ११४॥ अ
असंभव अ०॥ कहैअसंभवहोतजव
ेनसंभावनकाजः गिरवरधरिहैगोप
ुतक्यौंजानैयहआज ११५॥ अथअसं
ति अ० लं०॥ तीनअसंगतिकाजअ
कारनन्यारैठाम औरठौरकीजियेअ
ौरकौकाम ११६ औरकाजआरंभ
ियेऔरैकरीयेदौर कोउलमदसा[illegible]
ुमतत्र्यैवावैारि ११७ नैनविपुर्केै
[illegible]तिनकलगायोपति [illegible]
[illegible] ११८ [illegible]
[illegible] विषत्रा[illegible]
[illegible]
[illegible]

ओर न लेउ द्दिम की येहे तवु रोफल आइ
अति कोमल तन तीय को कहां काम की ला
इ १२० षडगलता अति श्यामे तें उपजी की
रति सेत सषिला यो घनसार यें अधिकता
पतन देत १२१ अथ समालंकार अलंका
र समतीना विधि यथा योग को संग: कारिज मैं
सब पाइ ये कारन ही के अंग १२२ सम विन
कारिज सिद्ध जब उद्दिम करते होइ हारखाय
तीय उरक स्यो अपने लायक जोइ १२३
नीच संग अचिरज नहीं लछिमी जलजा आ
हि जस ही को उद्दिम कीयें नीकें पायो ताहि
२४ अथ विचित्र अलंकार इच्छा फल विप
रीति कि की जे जतन विचित्र नवला उन्नत
लहन कों जे है पुरुष पवित्र १२५ अथ अ
धिकालंकार दोइ अधिकाई आधेय की
जब अधार सों होइ जो अधार आधेय तें
अधिक अधिक दोइ १२६ सात दीप न
व षंड में की रति नांहि समात सप्त सिंके के

तोजहांतुवगुनवरनेजात १२७॥अथअ
ल्पालंकार॥अलपअलयआधेयतेंस्र
ह्मिमहोयअधारं अंगुरीकीमुदरीऊ तो
मुभुजमेंकरतविहार १२८॥अथअनो
न्यालंकार॥अन्योन्यालंकारहेअन्योअ
न्यउपकार सासिसोंनिसिनीकीलगेनि
सहीमेंससिसार १२९॥अथविशेषलं
कार३॥तीनप्रकारविशेषहेअनाधार
आधेय थोरोकछुआरंभजव अधिक
सिद्धिकोदेय १३० वस्तुएककोकीजीए
पेवनेनुगेरअनेक ननऊपरकंचनल
ताऊसमसुछहेएक १३१ कलयहनं
दिप्योसहीतोकोंदेषतनेंन अंतरवाहि
रिदिसिविदिसिवहेतीयसुषदेंन १३२
॥अथव्याघातअ०॥व्याघातजकछुऔ
रतेंकीजेकारिजओर वकारिविरुधतें
जवेकाजल्पाईयेढोर १३३ मुयपावत
जोसोंजगाततासोमारतमार।

त्तबालतौकरतकाहिपरिहार ३४ ग्रथ
गुफालंकार कहीपैगुंफपरंवराकार
नकीजबोहत्त नीतिहिधनातिहित्यागुपु
नित्तातैंजसउद्दोत ३५॥
ग्रहितसुक्रमपदरातिजवएका व
लितवभांति द्दगास्तुतिपरस्तुतिवाक्यप
रवाक्यजंघलौंजांनि १३६
दीपकएकावालीमिलैंमालादी
पकनांम: कामधांमतियहीयन्नयौनीय
हीयकौनूंधाम १३७॥ ए
कएकतैंसरसजवग्रलंकारयहसार
मधुसौंमधुरीहेसुधाकवितामधुरग्रपा
र १३८॥ यथासंष्य
वर्नेनविषैवस्तनुक्रमसंग करिग्रारिमि
त्रवियतिकौगजतरंजनमंग १३९
द्वैपर्यायग्रनेककौक्रम
सौंग्राश्रयएक फिरिक्रमतेजवएककौ १०
क्रमसौंग्राश्रयधरैग्रनेक १४० क्रती

रलताचरनमेंनईमंदताआइ अंबुज
नजितियवदनकांतिचंदहीरहीवनाइ १४१
अथपरिवृत्तअं०॥परिव्रत्तलीजेअधिक
नवथोरोदेईकछुदेइ अरिइंदिराकटाक्ष
यहएकबांनवरलेइ ४२॥अथपरिसं
अ०॥परिसंष्याइकथलवरजिइजोथल
ठहराइ नेहहोंनिहीयमेंनहींनईदीपमें
ताइ १४३॥अथविकल्पअ०॥हेविकल्प
यहकेवहेइहिंविधिकोवृतांत करिहेउ
पकोंअंतअबजमकेप्यारोकंत १४४ अ
थसमुच्चयअ० दोयसमुच्चयभाववकु
कोंइकउपजेसंग एककाजचाहेकरयो
क्तिअनेकइकरंग १४५ जवअरिभाजत
गिरतफिरिभाजतहेसतराइ जुवनविद्या
मदनधनमदउमजावतआइ १४६॥अ
थकारकदीपकअ०॥कारकदीपकएक
मेंक्रमतेंभावअनेक जांनिचितेंआवति
हसतिपूछतिवातविवेक १४

सोसमाधिकारिजसुगमग्रौ
रहेतमिलिहोत उतकेंगतीयकौंमईग्र
थयोदिनउद्दोत १४८
कावार्थापिनकोंसवेशहिंविधिवरन
तजात सुषजीत्योवाचेंदसोकोहाकम
लकीवात १४९
काव्यलिंगजवजुक्तिसोंअर्थसमर्थ
नहोइ तोकोंमैंजीत्योमदनमोहीयमैं
सिवसोइ १५० सा
मान्यतोविशेषहृढतवअर्थान्तरन्यास
रघुवरकेवरुगिरितेरेवमेंकरैंनकहास
१५१ विकस्वरहो
तविसेषजवफिरिसामान्यविशेष ह
रिगिरिधास्योसतपुरिषतारसहैज्यों
सेष १५२ प्रोढोक
तिवनेताविषेंअधिकाईअधिकार के
सअमावसरैंनघनसघनातिमरकेतार
१५३ जोंयोहैतोपैं

कहेसंभावनाविचार वकताहोतेसेषतो
लहतीतोगुनपार २५४॥अथमिथ्याध्य
वसति॥मिथ्याध्यवसितिकहतहेअलं
कारइहिंरीति करमेंपारदजोरहेकरेन
वागप्रीति २५५॥अथललितअथाल
लितकह्योकछुचाहियेताहीकोप्रतिविं
व सेतबांधिकारिहेकहाअवतूउतरेअं
बु २५६॥अथप्रहर्षनअथातीनप्रहर्षन
जतनविनवंछितफलजोहोइ वंछित
तेंअधिकफलश्रमविनकहीयेसोइ
२५७ सोधनजाकेजतनकोंवस्तुचढेक
रसोइ जाकोंचितचाहतवकुतोआइद
तीहोई २५८ दीपककोउद्दमकीयेतोले
उदयोभांन निधिअंजनकीऔषधीसो
धनलह्योनिदांन २५९॥अथविषादअ
थ॥सोविषादचितचाहतेंउलटोकछुके
जाइ नीवीपरसतक्रुतियरीचरनायुध
धुनिआइ २६०॥अथउल्ला

गुनजवएकतें और धरैं उल्लास न्हाइ सं
पावन करै गंगा धरैं यह आस १६१
होत अवज्ञा और के न लगै
न अरु दोस पर सुधाकर किरनि तें ब
नैन पंकज कोस
होत अनुग्या दोष को जो ली जै गुन मां
नें होऊ विपत्ति जामें सदा हीयें चढत हरि
आनि १६३ गुन में दोष
दोष में गुन कल्पनो सु लेष शुक यह म
धुरी वानि तें बंधन सहो विसेष १६४
मुद्रा प्रस्तुत पद विषें औरें
अरथ प्रकास अली जाइ किन पीउ त
हिं जहां रस ली वास १६५
रत्नावलि प्रस्तुत अरथ क्रम मां
तें और ऊ नाम रसि वचत्र रमुष मति प
ति सकल ग्यान को धाम १६६
तद्गुन तजि गुन आपनो सं
गति को गुन लेइ वेसरि मोती अधर सि १२

लिपदमरागछविदेइ १६७॥अथसमाधि
अण॥सोसमाधिकारिजसुगमऔरहेततमि
लिहोत उतकंगतीयकौंनईअथयोदिन
उद्दोत १६८॥अथप्रत्याख्यात्यति॥काय
र्थोपितकोंसवेइहिं विधिवरतजात मुष
जीत्यौवाचंदसोकहाकमलकीवात १४९
॥अथकाव्यलिंगालं०॥काव्यलिंगजब
जुक्तिसोंअर्थसमर्थनहोइ तोकोमैंजीत्यैं
मदनमोहीयमेंसिवसोइ १५० अथअ
र्थातरन्यास सामान्यतेंविशेषदृढतब
अर्थांतरन्यास रघुवरकेवरुगिरितरेब
मेकरैंनकहास॥१६७॥अथपूर्वरूप
॥पूर्वरूपलेसंगगुनतजिपुनिअपनोले
त इजेंजवगुननां।मिटेंकीयेंमिटनकेहे
त १६८ सेषस्यामहो।शिवगरेंजसतेंउज्ज
लहोत: दीपमिटायेंलंकीयोरसनामनि
उद्दोत: १६९ ॥अथअतद्गुनअथ॥सुअ
तद्गुनसंगतितयोंजवगुनलागत

ोगुनजवएकतैंऔरधरैंउल्लास न्हाइसं
नपावनकरैगंगाधरैयहआस १६१
होतअवज्ञाऔरकेनलगै
गुनअरुदोस परसुधाकरकिरनितैपु
लैनपंकजकोस
होतअनुग्यादोषकौंजौलीजैगुनमा
निं होऊविपत्तिजामेंसदाहीयैचरतहरि
आनि १६३ गुनमेंदोष
रुदोषमेंगुनकल्पनोसुलेष श्रुकयहम
धुरीवानितैंवंधनसह्योविसेष १६४
मुद्राप्रस्तुतपदविषेऔरै
अरथप्रकास अलीजाइकिनपीउत
हिंजहांरसलीवास १६५
रत्नावलिप्रस्तुतअरथक्रमा
तैंऔरऊनाम रसिवचतुरमुखमूमिप
तिसकलग्यानकोधाम १६६
तद्गुनतजिगुनआपनोसं
गतिकौगुनलेइ वेसरिमोतीअधरमि १२

लिपदमरागछविदेइ १६७॥अथमीलि
अण॥सोसमाधिकारिजसुगमऔरहेतमि
लिहोत उतकंगतीयकोंमईअथयोंदिन
उद्दोत १६८॥अथकाव्यार्थापत्ति॥काव्या
र्थापितकोंसवेइहिंविधिवरतजात मुष
जीत्यौवाचंदसोकहाकमलकीवात १४९
॥अथकाव्यलिंगलं०॥काव्यलिंगजब
जुक्तिसोंअर्थसमर्थनहोइ तोकोंमैंजीत्यौ
मदनमोहीयमेंसिवसोइ १५० अथअ
र्थांतरन्यास सामान्यतेंविशेषदृढतब
अर्थांतरन्यास रघुवरकेंवरुगिरितरेव
नेकरैंनकहास॥१६७॥अथपूरवरूप
॥पूर्वरूपलेसंगगुनतजिपुनिअपनोले
त इजेंजवगुननांमिटेंकीयेंमिटनकेहे
त १६८ सेषस्यामहोशिवगरेंजसतेंउज्ज
लहोत: दीपमिटायेंहूंकीयोरसनामनि
उद्दोत: १६९ ॥अथअतद्गुण॥
तद्गुनसंगतिनयोंजवगुन .

पीयअनुरणीनांभयैवासिरागीमनमांहि
१७० अनुगुनसंग
तितैंजवैंपूरवगुनसरसाइ मुक्तमालहीं
यहास्यतैंअधिकसेतकैजाइ १७१
अनुगुनसंगतितैंजवैं
पूरवगुनसरसाइ मुक्तमालहीयहास्य
तैंअधिकसेतकैजाइ १७१
मीलितसोसादृस्यतैंभेदजवैंना
लषाइ अरुनवरनतीयचरनपरजाव
कलष्यौनजाइ १७२
सामान्यजुसादृस्यतैंजांनियरैनविसेष
नांहिफरकश्रातिकमलतैंतियलोयन
अनिमेष १७३ उ
न्मीलितसाहस्यतैंभेदफुरैतव[redacted]मानि
कीरतिआगेंतुहिनगिरिछुवेंपरतहैंजा
नि १७४ यहेविसेष
विसेषपुंनिफुरैजुसमतामांझ तीयमुष
अरुमंकजलषेसासिदरसनतैंसांझ ७५

॥अथ गुंछोत्तर॥ गुंछोत्तरकछुभाव तें उत्तर दीनें होत उनवेतसतरुमें पथिक उत्तरनलाइक सोत १७६ अथ चित्रालं० चित्रप्रस्नउत्तर दुहूं एक वचन में सोई मुगधातियकी केलिरुचिगेहकौं नमें होइ १७७॥ अथ सूक्षिमालं०॥ सूक्षिमपरआसेलषै सैननिमें कछु भाइ मैं देष्यो उहि सि समनि केसनि लयो छिपाइ १७८॥ अथ पिहितालंकार॥ पिहितछिपीपरवातकौं जांनि दिषावै भाइ प्रातहि आये सेजपिय हसि दावत तियपाइ १७९॥ अथ व्याजोक्ति॥ व्याजोकति कछु औरविधि कहै दुरै आकार सषिसुक कीनें कमें एमांनिक जांनि अनार १८०॥ अथ गूढोक्ति॥ गूढोकति मिसु और कैं कीजे पर उपदेस कालि सषी लंजो उगी फूजन देवमहेस ८१॥ अथ विवृतोक्ति॥ श्लेषछिप्यो प्रगट कीयें विवृतोकति हैं ऐन प्रजनतदेव

महेसकोकहत्तदिषायेसैन १८२ ॥
श्लेषछिंप्योपरगटकीयेविअर्तोको
तिहेअैनैं हैजुजुक्तिकीनौंक्रियाममोछि
पायोजाई पीवचलतआस्रूचलेपोंछु
तिनैंनजंनाइ १८३ ॥
लोकोकतिकछुवचनजोलीनैलोक
प्रवाद नैनमूंदीषटमासलौंसहियेवि
रहविषाद १८४ अथछेकोक्तिअ० लो
कोकतिकछुअर्थसोंपोछेकोकतिमा
नि जोगाइनकोफेरिहोंताहिधनंजय
जांनि १८५ ॥ वक्रो
क्तिस्वरश्लेषसोंअर्थफारिजोहोइ रसि
कअपूरवहोपीयाबुरोकहतनहीकोइ
१८६ ॥ स्वभावो
क्तियहजांनिलेवनेतजातिसुनाइ हसि
हसिदषतिफिरिफुकतिमुहमोरतिइत
राइ १८७ ॥ भाविकव
तततविष्यजोपरतषिहोयवनाइ वृंदाव

नमैंआजवहलीलारेषीजाय १८८॥अथ
उदातअ०॥उपलछिनदैसोधीयौअधिका
रीसुउदात:तुमवाकेनसिहोतहौसुनैंतनु
कसीवात १८९॥अथअतुक्तिअ०॥अलं
कारअतुक्तियहनरननअतिसयरूप
जाक्कतेछेदांनतौंनएकलपतरूभूप १
९०॥अथनैरुक्तिअ०॥सोनिरुक्तिजवजो
गतैंअथकल्पानाआंन ऊधोकुवजावसि
भयौनिरगुनवहेनिदांन १९१ अथप्रति
षेधअ० सोप्रतिषेधप्रसिद्धजोअर्थनिषेधौ
जाइ मोहनकरमुरलीनहींकछुइकवनै
वलाइ १९२॥अथविधिअ०॥अलंकार
विधिसिद्धजोअर्थसाधियफेर कोकिल
हैकोकिलजवैरितुमैंकरिहैटेर १९३
॥अथहेतुअ०॥हेतुअलंकृतदोइजवका
रनकारिजसंग कारिजकारनएजवैवस्तु
एकहीअंग १९४ उदितभयोससिमांनि
नीमांनमिटावनमांनि मैरैंरिद्धिसमाधि

यहतेरीकृपावखोंहि १९५

आद्रतवर

अतेककीदोइदोऊजवहोइ हैछकानुप्रा

सुरसनतावितकसोइ १९६ अजनला

हैअधरप्यारेनैनतापीक मुकतमालऊप

प्रगटकवितहीयेपखीक १९७

सोलालानुप्रासजवपदकी

वृतिहोइ शब्दअर्थकेभेदसोभेदवित

सोइ १९८ पीयनिकटजाकेनहीघा

चांदिनीताहि पीरनिकटजाकेसबघा

चांदिनीआहि १९९

मकराकृकौफिरश्रवनअर्थजुदेसोज

सीतलचंदनचंदनहिअधिकअगनि

माति २००

प्रतिअक्षरआवृत्तिवक्रवृत्तितानावि

ति मधुरवचनजामैसवेउपनागरिका

ति २०१ दुजैपरुषाकहतसवजामैव

समास वितसमासादिनमधुरताकै

मलानास २०२ अतिकारीनारीघराथ्या
रीवारीवेसः पीयपरदेसअदेसयहआव
तनांहिसंदेस २०३ कोकिलचातिकभं
गकुलकेकीकविनचकोर सोरसुनैंधर
क्योंहीयेकामकटकअतिजोर २०४ घ
नवरसतदांमिनिलसेदसदिसिनीरतरं
ग दंपतिहीयेंकुलासर्सोअतिसरसातअ
नंग २०५॥इतिअर्थलंकारशब्दालंकारस
माप्त॥अलंकारसवअर्थकेकहेएकसों
सात केरेप्रगटभाषाविषैदेषिसंसकृतपा
ठ २०६ शब्दालंकृतवकृतहैअक्षरकैसं
जोग अनुप्रासबटविधिकहेजेहैभाषाजो
ग २०७ ताहीनरकेहेतयहकीनोग्रंथन
वीन जोपंडितभाषानिपुनकविताविषैप्र
वीन २०८ लक्षनतीयअरुपुरुषकेहा
वभावरसधाम: अलंकारसंजोगतेभाष
भूषननांम २०९ भाषाभूषनग्रंथकोजे
देषवितलाइ विविधिअर्थसाहित्यरस

समुकैसवैबनाइ २२० ॥इति श्री [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] तंनमामिपदपरमगुरुकृष्ण
कमलदलनैंन जगकारणकरुणारउन
गोकुलजाकोऐंन १ नावगुनभेदसव
प्रगटतसवहीगोर ताबिनततजुऐंना
कछुकहैसुकेविवमवोर २ उच्चरिसक
तनसंस्कृतजान्योचाहततनांम जिनहि
तकीनीनंदजथारचतनामकीदाम ३
गुंथननानानामकीअमरकोककेभा
ष मांनवतीकेमांनपरमिलेअरथसव
आयं ४ [illegible] अहंकारमदंदर
पपुनिगरवसमैंअभिमांन मानराधि
कारवनकौसवकौकरतकल्यांन ५
[illegible] वड्सासघीचीसघीहितूसह
चरीआहि अलीकुंवरिनंदलालकीचली १६

मनावनताहि ६ बुद्धिनाम प्रबुद्धिमेनी
घासेसबीमेधीधिषणधीय मतिसांमतो
जुकरिचलीनलीचिचछनंतीय ७ वाणी
नाम वाणीवाकसरस्वतीइछौला सारद
नाम चलीमनांवनआरतीवचनचातुरी
कोम ८॥चपलनाम॥ असुतरसमसहिसा
झटिलतुरततफणऊनहोइ बिरसत्वरत
रंघिश्रमे अरूलघुरइरंधिसुसोइ ९ वान
वेगहिजवरंनसरनअविलेवतउत्ताल व
पलचलीचातुरअलीआतुरदिपिनंदल
ल १० ॥मनालं॥सदनसदमआगार
ग्रहवेसमसंकेत लइनाधिलमदअम
पदआलेनिलयनिकेत ११ मंदिरसंरण
आयतनवसतनिकायपुण्यं नवतन
पवधनांनकेचलासिदचगजात १२ सौ
... कंचनअरूनकीतिनकेहे म
हिरणमोवरन आणदहतकुरूसं
तकंनरागवरन १३ ...

हरि चामीकर तपनीय: कुकम रूइयै रोदन
कनकम हारजत रमनीय १३ जांवुनद की
नीत अरु माणिक गाच सचदेत जहोत हां
नरनारि सव कांई कुकिकुकिलेत १४ कुक
मरचित ड़ूवरणपुनि जातरूप घरजूर रू
पेकी गउसारजहां नवन भूपतें दूर १५
सुपेदनाम सुकल सुभ्र पांडुर विसद अ
र्जुन स्वित तेउदात धवल नवल उवे अरा क
रत धर्या सोवात १६ सोभा नाम भा अ
भासो भा प्रभा सुषमा परमा कांति छवि
नकहीं परै नवंनकी सुरभूल नति हिं भं
ति १७ किरणं नाम अंसु गभस्ति मयू
षा घ्रीणि गो मरीच वस जोति रसम परस
ससिसूर की जगमग जगमगा होत १८
मोरनाम नील कंठ केकी वरहि स्यषी
सिषंमी हाय मयूरकलापी अहिनवीसि
षसुत वांहन सोय १९ नाचत मोर अ
रांनच टि अति ही नरे आनंद छिनही

छिनऊनैंरहैनवनीरदनंदनंद २० सिं
घनांम कंठीरवहरिकेहरीपुंडरीकह
रिजक्ष मृगपतिद्वीपीवाघ्रपुनियंचाइनन न
पलनक्ष २१ सिंघपौरिबघनांनकीस
हचरिपोंहचीजाय आतिसंघटनटनट
नकौगदीनईलजाय २२ अस्वनांम
वाजिवाहसिंधवतुरगअस्तुरंगकेकां
न घोरेकीअतिनीरजहांनैंकनपऽयै
जांनं २३ हस्तीनाम हस्तीदंतीधरिद्वि
पुपद्मीवारनव्याल इभकुंभीकुंजरक
रीतेंवेरमसुंमाल २४ सिंधुरअनेकप
नागहरिगजसामदमातंग इतगयंदघू
मतघरेराजतनानारंग २५ अष्टसिध
नांम आणिमामहिमागारिमालघिमा
२ प्राप्तिकांमवसीकरणअरुईसताएअ
ष्टसिद्धकेनांम २६ अष्टसिद्धिकें ब
ष्टकीरिसिद्धिगुलहतसंसार तेअष्टं
नवुवालकेंवारवुहारनहार २७ नव

निधिनाम महापद्मअरुपद्मपुनिकछ
यमकरमु[illegible]कुंद संखषरवअ
रु तीलइकअरुकहियेइककुंद २८ए
नवनिधिजुजगतमेंका[illegible]विलेदीष २
ते अषनानकुमारिकै[illegible]
परतानिषारननीष २९ मोषनाम मो
षअमृतकइवलपुनिअपनरनवअ
पवर्ग नम्रेइणनिरवाणपदमहासि
द्धिवरसर्ग ३० मुक्तिजुच्यारप्रकारकी
नहियइयतुविनजोग तेअषनानकीपो
इमेंपावतपांवरलोग ३१ राजानाम
नृपनदिंदईसानइनआधिपमहीपति
नृप राजाज[illegible]हांअषनान[illegible]वनिवे
सनाअनृप ३२ इंद्रनाम सक्रसत
क्रतुसचि पतीसक्रंदनपुरहूत कौसि
कवा[illegible]वृत्रहामघवामातिलसूत
३३ जिसनपुरंदरवज्रधर[illegible] आषंडल
पुयाक सोहेतहांअषनानवलिको १८

हेईड्वराक ३४ देवनाम देवअमरनि
जरविवुधसुरसुपनयनत्रिदिवेस वंदा
रकाविमांनगातिअग्निजिके अमृतेस ३५
दिवषकुलेषावहि मुषगीरवांणअतिओ
प कवनदेवतारक जहांवनिवेग्वालि
गोप ३६ अमृतनांम सोमसुधापीयुष
अमितअगदराजसुरभोग अमीजहां
कांन्हरकथामित्तरहेतहैवलोक ३७
सेवकेनां० विधकरकिंकरकरमकरअ
नुचरअनुगपदाति जातिरहितजहांमें
नसेछविवेंनीनहिंजाति ३८ अंतर
हकरणनांम संताक्षिदेमनमथपिती
अंतममांनसनांव: मनमनसोचेसह
चरी नीतरिकिसविधिजांव ३९ काज
लनांम काजलगजपटलमषीनागदी
पसुतसोय लुकअंजनदृगदेचलीनांहि
नदेषेकोय ४० दासीनांम: भृत्यादासी
किंकरीचेरीनरैजुअंजराजितमणिम

पुनि

यअजिरजहांको उरवसी कोरत ४१ ही
नांम निकुपदि कोबअसो हीरादिये
ऐन मऊचीति नतन देषि कै अपन वं
के नैंन ४२ मंगल नांम कुज अंगार को
मसुनि लोहितांग महिवाल [illegible]
[illegible] ४३ शुक
नांम उष्मा नार्गु वकाविकविअसुपुरो
तनांम वनेंजुगमोतीन वनम नो शुक्र
दांम ४४ गुरु नांम विषणासिषमी [illegible]
[illegible]
[illegible] ४५ मुकता नांम
ससिगाती मोती गुलिक जलज सीपसुत
नांम मुकताबंद नमाल इमा विहसे सुंदर
धांम ४६ लिछमी नांम श्रीपदमा पदमा
लया कमला चपला होइ सिंधुसुता माइ
दरा विष्णुवछ नामा सोइ ४७ जाकी नेकक
टाछिहू विरही सबै जग छाइ सो लिछमी
अषनांन के आपजसी है आई ४८ माता

नाम अंवास बत्रीप्रसू जनइत्रीमानाम ज
ननीराधाकुंवरकीवेंगीमंमणधाम ४९
नमस्कारनाम वंदनअभिवादनप्रणितन
मस्कार करिताहि सकुचीगईआगेंचली
जहांकुंवरि वरिआहे ५० सीढीनाम आरो
हनआरोहपुनिनश्रेश्णसोपान मणिमय
सीढीचढिसषीलषीनकोरूआंन ५१ पुत्री
नाम पुत्रीडहीताकन्यकातनुपातनुजाहो
य सुताजहाव्रषभांनकीगईसहचरीसोय
५२ सज्यानाम कसिपुतल्पसज्यासयनसं
वेसनसयनीय दुग्ध फेनुसमजहां
वेंगीरमनीय ५३ फूलनाम सुमनसुकुस
मप्रसूनपुनिपुहपफूलपितकंद फलनि
तांनसुवनिरह्योजनु चैबूं दोचंद ५४
उसीसनाम उपबर्हानउपबारहिपुनिकं
डुकसोउछीर कुसमउसीसासु
वेंगीमानिसरीर ५५ मुषनाम आनन
सिलपनवदनवक्रतुंमछवि

मी[illegible]केजातेइमजिमदरपनमुषौन ५६
केसनाम केससिरोरुहाचिकुरकचकुंत
लवालविसालाविथुरेसुथरेअलकज
नुमनसिजचंवरस्साल ५७ ॥ लिलाट
नामा॥ भालअलक[illegible] लिलाटमाथेबेंदीव
नीजराइ मनूंनागमणिनामकेवाहिरषग
री आय ५८ ॥ भ्रकुनामा॥ वांमअसितकुंचि
तकुटिलटेढीनोहनिगोर मनोंप्रातजलजा
तपरपंषसंवारतभोंर ५९ करणनाम श्र
तिश्रवश्रवणसवदग्रहीकांनछुनीछवि
नीरजनूंबिब[illegible]कवलकी[illegible]फूलेनस
सिमुषतीर ६० ॥ कपोलनामा॥ हस्तवाहमुष
पांनिछुनिकरपरधरेंकपोल वरआरवि
दविछायजनुसोवतेउअलोल ६१ ॥ नेत्र
नामा॥ लोचनअंवकचषछुनिनेत्ररू
पआधीन दृगरसिरातेचपलजनुजावक
भीनेंमीन ६२ ॥ नासिकानामा॥ वमासिकवें
नीनासमीन महामछाघ्राणनीनाम वेसरसो

अटकीजुलटमांनकुवनसीकांम ६३ अ
धरनांम ओष्टवअणपुनिरदछदनअधर
मधुरइहिनाई लिषतलेषकेंहाथकीकि
लकईषकेजाइ ६४ दांतनांमदसनदांत
डुजरदनरदइमदमकतरंगभीज ओपति
मांनौंकमलमैंसीतलविज्वलीबीज ६५
स्यांमनामं॥स्यांमनीलमेंचकअसितचिबुक
विंदछविश्रेंनमनूरसीलेअंबकीमुषपरम
दीमेंन ६६॥उरजनाम॥उरजपयोधरकुच
सथनउरमेंफणछविएन कंचनसंपुटमें
नजनशुजिजुपाएदेव ६७॥रोमनाम॥
राजीअवलीआलतितरोमपंतिइहिनाइ
मांनौंउततेंफलमलेंवरवैनीकीफाइ ६८
छुद्रघंटिकानांम रसनांकांचीकिंकनीछु
द्रमेषलाजाल छुद्रावालिमनसैंनूरवं
धीवंदनमाल ६९॥नगासनाम॥उपासंग
तुणीरपुनिश्षधीधनयनिषंग नार्तमनम
नमथकौपिंफुरीनरीजुरंग ७०॥नूपरना

पादांगदपद घूघरा झूला कोटि मंजीर नूपुर मनौं मन मथ्थ कौ फंद कैंक तकरत अधीर ७१ वसतरनाम चोलनिचोल दुकूल पट अंबर बास नैं चीर लील वसन मैं दीपजन दमकत गौर सरीर ७२ तंबूली नाम तंबूली अहि वल्लरी द्विज मुष मैं फन पान नहि नषात अनषात अति रही जु नारे मन मान ७३ प्रतिबिंबी आदरस पुनि मुकर सुकर तें लेह नैंनन मैं पिय झलक झपि नारि कारि पुनि देह ७४ वीणा नाम तंत्री वीणा वालकी नकारि विपंची आहि जंत्र बजावत सहचरी अनषातिति न तन चाहि ७५ शुक नाम रत्त चंचु शुक कीर पुनि सूवा पदत पिय नाम तिहकहराइ फराइ हसि देत दारिमी नाम ७६ गुपत नाम गुपत तातिरोहत अंतरित गूढ सु हिनलीय लुक अंजन मैं लुकि सषी देषी ढूंढि लीय ७७ जल नाम अंबु कमल कें

लालजलपदपुष्टकरबननार अमनअ॑र
णामीवननवनघनरसवसपापार ७८ मे
घपहुपर्व्यघसबमुषपर्कंकवंधरसतोय
उदकपातसंवरसलिलअपकपीरपुनि
सोय ७९ पानीनिंनपषारिकेअंजनहां
तोकीय प्रगटमईपियकीसषीनिपरस
सेकितहीय ८० नयनाम नरअस्वकेअ
त्वंकनयनीमइवंद्विजत्रास नरतनरत
सीसहचरीगईकुंवरकेपास ८१ चरणना
म चरणचलतगतिवंतपुनिआघ्रपाद
पदपायपगवंदनकारिकुंवरिकौवे गी
सनमुषजाय ८२ हरिद्रानाम पीतांगो
वरकांचनीरजनीपिंडानाम चूर्नामि
लिजेवहरदरंगईमदेषतनसुनाम ८३
क्रोधनाम कोपक्रोधआमरष[illegible]रोष
मनीतिमहोइ [illegible]मनरीसुनिसुंदरीनरी
सहचरीसोइ ८४ समयनाम सामयस
मयअनीहवयवे[illegible]अनमिषकाल व

मीवरसषीतनचितैस्वेकवोलीवाल ८५
कुसलेनांम षेमक्षेनाम [illegible] सिव
सुभकल्पांन कितमोलतकछुकुसल
हैपूछसतिकुवरिसुजांन ८६ प्रतिउत्तर
सषी संग्पाञ्रकेगोत्रपुनिषेमधांमत्व
ईनांम श्रमीत्वरसईहै [illegible] तेसवपूरन
कोम ८७ स्त्रीनांम स्त्रीनारीवनितावं
धूललनां [illegible] नांम अवलावालाञ्र
गनाप्रमुदाकांतावांम ८८ तरु [illegible] रम
सुंदरी [illegible] साय। त्रियतोसी
त्रिकुंलोकमेरचीविरंचिनकोय ८९ ब्र
ह्मानांम पितास्वयंभूञ्रातम भूधातास
तधृतहोय [illegible]
[illegible] सोय ९० वेधाकमल
जे [illegible] तपरमेष्टीजगमांफ जिहि
विधिकेविधहुव [illegible] सोविधिनईदेव
मांफ ९१ पंफवनांम धरमतातसुश्रजा
तारिपुकुंतेईस्कुरराइ नृिरपजुधिष्ठरस
पुक तिं

ति
मकंवरितेरैसोआं भाद ९२ दीरघनाम
प्रथुलप्रांसुरिसाहविथुआयतरूडविसा
ल दीरघस्वासजुनरतवलिसोकारनक
हिवाल ९३ आरिजुनको नामं जिष्णधनं
जयविजयपुनिफालगुणाकिरीसंक गु
नाकेसगांडीवधरनरवुभिनत्सआक्षक रेथ
पारथकपिध्विजस्वेतहैमाधिमपंन वनाम
आरिजनदुर्योधनधरअवधिप्रेमलैछिति
नांम ९४ गंगानांम विस्नुपदीनिरजुरने
दीनिगमगोदीहरिरूप सिंधूनंदीमंदाक
नीनागीरथीअनूप ९६ गंगाजिमयाज
गतमैंपापहारिसुनकारि तिमितुवकीर
तिसभकुंवारिकियेपुनीतनरनारि ९७
सरीरनांम कायकलेवरकुणपवपुःदे
हआतमाअंग विग्रहउपधैनसंहतनधं
मसरीरपतंग ९८ तुवतनसमौरिकेर
गहितकनकअगतिकस्नेत कोमलस
रससुगंधनहिंकोकविउपमांदेत ९९

कमलनाम पुंडरीकं पुष्कर कमलज
जअंबुजअंभोज पंकजसारससतामरस
कुवलयपंकजसरोज १०० उत्पलपुनि
अरविंदहरिपद्म पितानांव कौं
मुषनलिनमालिनकछुदेषतहोंवलि
जांव १०१ चंद्रमानाम इंदुसुधानिधि
कला अब्जजीवहिमरोम ससि
धरहिमकरनिसाकर औषधीस ससि
सोम १०२ कुमदवंधुश्रीवंधपुनिरोहि
ऊफराजउजराजपुनि
पुनीमृगांकअत्रीय
१०३ चंद्रकलाजिमचंद्रतेरहतनन्या
रीहोय इमअवलोकतवालउरकाहि
वलिकारनसोय १०४ कामनाम मद
नमनोभव
कवार १०५
२३

छेछतादिनद्दत्तरसनवसंग १०६ कामअनत्यंमकरद्धिजहिंविद्याविमोहननांच पतिसोंरतिजिमरूपिराहिकेहाकहोंवलिजांवु १०७ मेघनाम धाराधरजलधरजलदजगजीवनजीमूत अम्रबलाहकमुदिरहरिकांमर्कधूंमसपूत १०८ धीरदनीरदअंबवहंवारिदजलमुकनांव घनविछटीविजुरीमनोंइमदेषतवलिजांव १०९ विजुरीनांम छणकविछटअकालीकीतडितचंचलाहोई दांमिनिविनघंनन्हींवनेंघंनविन[illegible]नसोई ११० सेनानांम प्रत्वनाध्वजनीवांहतीचमूंविरूथीअंन सेनांविनान्रिपतिनांवनेंन्रिपविनवनेंनसेंन १११ धनकनांमधनकोंद[illegible]पुनिकांमकरिपुसंताप चापविनानहिंपणि[illegible]कछुपनचविनांनहिंचाप ११२ भमरनांम मधुकरमधुलीमधुपअलिअलिनस्पली

यंचरीकरोलंवमधुनिकीलालघमारंग ११३ षटपद इंदीत्रमरधुनिकीलीलवि रेफरसमधुवीर आपवालतेवमालअली लोलललालकीमोर ११४ प्रीतमनाम सुऋदमित्रवहभमसषादइतइष्ठपियप्रा न हरिसेप्रीतमसे कुवरिनअरिअक्यार थमान ११५ पुत्रनाम आतमअंसुमसु तिधुनितनुजतनुंभयतातः नंदकेनंद गोविंदसौनकरगरवकीवात ११६ मान वनाम मानवमत्तुमनुष्यनरमानमनुजपमान नरजैतिजानहिनंदकोनटवरपुरषपुरान ११७ वेदनाम आमनाय श्रुतिब्रह्मडुमधरममूलसवकाम निगमआगमजाकोकहतसोवैसुंदरस्याम ११८ रिषनाम रिषिनिछुकतापसजती अतीसाधमुनिआहि जोगीजनमनविमलकरजोजतषोजततााहि ११९ धरमनाम वैवसुतानरकधरपित्रिपतीविसुता

नी सुवन तनुज

ज

२४

सोय: संजम्यनीपति महिषधुजसमवर्ती
पुनिसोय १२० जमनांम अंतककालक्री
तांतजमजगजातैं ऊरपंत सोवतप्रिय
भूनंगत्तं बलिथरथरकांपंत १२१ कुवे
रनाम पुन्यजनेस्वरवैश्रवनधनदएल
विलहोय गुह्यजक्रीतित्रंबकसषारा
जराजपुनिसोय १२२ नरवांहनकिंन
रअधिपजपेदअधीसकुवेरसोतुवप्रिय
पदपोंसिकैवलिपावतनांहिनवेर २३
वरणनांम वरणप्रचेतायामपतिअप
पतिजलचरईस जादिसपतिपुनिपीय
केवसतचरनतरसीस १२४ सेषनांम
सेषमहाअहिसरपपति धरणीधरतअ
नंत सहसवदनकरिगुंनगुंनततदपि
नपावतअंत १२५ गणेशनांम द्वैमातु
रहेरंवपुनिलंवोदरइकदंत मूषकवा
हनगजवदनगणपतिगिरजातंत १२६
जनमनांम नवउदनववक्रु जनमज

नउतपतिहैनांम जनमसफलतवहीज
हूैनजियेसुंदरस्पांम १२७ श्रीनाइकाव
चेन वंचकनाम व्याजाजिह्मकैतवकु
टिलछद्मीधूरतछलीज कपटीकान्ह
रकुंवरकीकेतीकहतनलीज १२८ स
षीवचन मृगनाम रोंहीहिरणवातपवि
षदहरिकुरंगमगमृगाय मृगासिसुकेसे
इगलीएवलिथोरैइतराय १२९ पापनां
म एनव्रजिनदुकृतदुरितश्रधममलीम
सपंक श्रघश्रमीचकिल्वषकलुषक
समलसमलकलंक १३० पापमहाव
नदहनदवजाकोरंचकनांव ताकोंतुव
कपटीकहतकहाकहोंवलिजांव १३१
पथरनांव ग्रावश्रसमपथरउपलसि
लपषणश्रतिसार पांहनपानीपरतरै
जाकेनांवश्रधार १३२ नौकानांव उम
पपोतनवकापलवतरिवोयहजलजो
नि नांवनावचढिमोउदधिकैतेतरेश्र

जोन १३३ ॥लोहीनाम॥ श्रोणितरक्तक
कोणपुनिश्रसृ[illegible]षितजान लोल
पियनीपूतनांपूतनईछेगात १३४ राक
सनाम कोणपआश्रयपुंजन[illegible]
तउरनाद आस्वरकरबुरानिसाचरजा
तधांनकरिछार १३५ अघसेराषसपा
पकीमैंदेषीगतिहोत उलटिसमांनीपी
यमैंप्रगटीजाकीजोत १३६ ॥धूरनाम
॥धूसरधूरीषेहरजपांसुसरकरामद
जोपदपंकजपरसकोंवंछतसनकसनं
द १३७ महादेवनाम गंगाधरहरसूल
धरससिधरसंकरवांम सरवस्वयंभू
मनवर्ग[illegible]कोमरिपुनाम १३८ त्रिनइन
त्रंवकत्रिपुरअरिईसउमापतिहोयजी
टीपिनाकीधुरजटी[illegible]सोय
१३९ उग्रकपरदीभूतपतिपसुपति
[illegible]ईसांन [illegible]जश्रीकंठसितकं
ठकमलकरमों १४० महादेवसेदेवताजा

कोधरतजुध्यान सोकान्ह रकपटी
कियो क्योंहै केहासयांन १४१ सूर्यनाम
सूरदिवाकररविप्रभाकरदिनकरभास्क
रहंस मिहरतिमरहरसहसकरउअर
सिःतिगंसस १४२ विघनावि रोच
न भावसूमारतंभत्रयअंग दिनमा
णीअंवरमणितरण सवितापतंग
१४३ चित्रभानवैश्रवांनपुनिविव
सथानकुतवांन अंसुमांनहरिमांनइन
जगतचक्षुभगवांन १४४ रविमंडलमं
डननवलषंडनतमसंसार सोकांन्ह
रकपटीकीयो जगजाकेआधार १४५
निकटनाम उतपारसअ वढूरतटउप
समीपअभ्यास अवसिअनादरहोयजो
रहेनिरंतरपास १४६ चंदननाम गंध
सारश्रीषंडहरिमलयजभद्रपटीर
चंदनकोईधनकरतमायावासीनीर
१४७ मछनाम सफरीअनामिषतस्य

तमप्रथुरोमाजषमीन मकरअल्पी
अंमनववैसारणपाठीर १४८ छीरसु
मुद्रकेमीनजिमवसतचंदद्दिगआहि
चंदहिमुंदनजांनहीजलचरमांनत
ताहि १४९ समुद्रनाम सिंधुसरितप
तिसलिलपतिअंबुनिधिकूपार इ
राधांनअरणवजलधिकुमनअ
वाधिअपार १५० रत्नाकरगुनरूप
कोमोहनगिरधरलाल जिहिमप्रेम
कीलौलियैयौंनवोलियवाल १५१
मरकटनांम कपिसाषामृग[illegible]लीमु
षकीसपलवलांगूरवीदरकरवरना
रिवरदयोविधाताकूर १५२ श्रीनाद
कवचन वलनद्नांम रोहणेयवला
नद्वलसंकरषणवलरांम नीलंवर
रेवतरमनमुसलीपालककांम १५३
प्रलंवघ्नतालांकपुनिजमुनांभेदीवे
न ताहलधरकेवीरको। ।

त १५४ प्रिथी नांम पृथ्वी छितछोणीत्तमाध
रणि धरित्रीगाय उरवी जगती वसुमती वसु
धासरवसुहाय १५५ अचलाविपलासाग
राधरालवायरहोय गोत्राअवनीकुंभनी
महामेदनीसोय १५६ विस्वंभरावसुंधरा
[redacted] थिराकास्यपीआहि रसाअनंता भूइलावि
लाकहतकविताहि १५७ सबधारिजिहिं
इकसीसपरसोतितजिमकणहीर कोंअ
वेतोआंबितलताहलधरकोबीर १५८ सं
कनांम षगतोमरजिह्लगअसुराविसि
षासिलीमुषवांण कणानरगणनाराचइष
धात्रीसोषणप्रांण १५९ साइकघाइपि
राइपुनिसिमटिसरीरमिलाय वचनतीरा
कीपारवलिमिटैनजुगजगजाय १६० ॥
अग्निनांम ॥ पावकवह्नि[redacted]जलनकहि
[redacted]षीधनंजयहोय सु[redacted]उषरबुधवीतसष
वीतहोत्रपुनिसोय १६१ चित्रभांनत्रहा
भांनपुनिविवसथ्यांनकृतवांन आसुमां

पुनि जनि
नहरिनांनदनंनिरजु[redacted]क्रसांन १६२
अगनिदगधजेडुमलताफिरिफिरिफल
हिद्वित वचनदगधजेजीववलिवक्रारिअं
कुरिनलेत १६३ आगपनाम मंदसुगंधजं
दुमूकनहु आमिकदूव[redacted]संठ मूरषजेन ८
जोनेकहामनिजेमेंकपिकंठ १६४ तौगि
नांम ऋतीकुसलकोविदनिपुनषिणप्रवी
णनिसांनात पटविदगधनागरचतुरजा
नेंरसकीवात १६५ अपराधनांम अमेंआ ६
गससहेलनअहितजद्यपिऔगुनपीय:
कूपछांहजिमराषियेयोंनजाषीयेतीय
१६६॥सनेहनांम॥दोहदहो[redacted]मनेह
हितप्रणतिरागअनुराग कितक्केगोतेरो
प्रेमअवहेनामिनिवक्रनाग १६७ परबत
नांम अगानगभूअतदरी[redacted]तश्रृंगीसिषरी
होइ सयलसलोचनगोत्रहरिइंद्रअचल
पुनिसोई १६८ गिरगोधनजववांमकरयं
स्योस्यांमअभिरांम तौउरतेंअवधूकधर्म

सरी

ज्ञानंमा

सर्पनाम

अवलौमिटीनवाम १६९ सर्पनाम पनग
नागजिह्मगउरगभुजंग ऋीसरप चतुश्र
वाहरि अर्यका कोदरगदरप १७० क
लीअहिगंज तेसभैमैगाहिराषीवाह सं
वरेपियकेयूमवसपरतऊती दहमांहि १
७१ वाधाविबुधीविधा ऊ मान्अ ति
लोन अवजनपरसतपियरपियाकितसी
पीयहवांन १७२ वननाम कांननविपुल
आरण्पवनगहनकृषिकांतर अटवीमे
अकेलेदईमोंननंदकेवार १७३ देतनां
दांनवदनुजेदैत्यपुनिसुररिपअसुरअसं
त मायारूपीरैनदिनमोलतअसुरअनंत
१७४ रिषकपेड़कृपाणअसिमकला
कवाल षगजेतौततौकहाधावकरनक
सोवाल १७५ निसानांम षणिदात्तपातप
रजनीतमीतमिश्रासाय निसासरवरी जा
वरीरात्रीतियमासाय १७६ सुषदसुहाईस
रदकीकैसीजांमिनिजात चलिवालमोंह

नलालपैक्यों वैगी इतरात १७७॥ आकास
नांम॥ अंबरपुष्करनभवियत अंरीक्षध
नवासगगनअनंतविहायसीस्वरव [illegible]
[illegible]स १७८ गगनजुउमगनवनिरहेत
नकचहोतनरोष देषनतेरौ रूपजनसुर
त्रिय किएऊरोष १७९ सूछमनांम तुछ
अलपंवलिसुषमतननिर्झरसोदरतोर
कहि बलि इतनौं मांनसचराष्यो हैकिहि
वोर १८० माकरीनांम लूतासूत्रामरक
टीउनरनाभिकाहोय जनकुंजमकरीगु
रकरीपकरीसविद्यासोय १८१ मारगनां
म वरतमअध्वासरणपथपुनिसंचरण
विहार मगदेषतआतुरभई कौहैनंदकु
मार १८२ हिसानांम कंन्यकाश्याकअं
नदिसिगोआमाइहैं ओर चितवतक्यौहै
पीवइमजिमसासिउदैचकोर १८३ सरित
नांम सरतभुनीतरंगिनीतटनीलदनीहो
यश्रोतश्रवंतीनि

१८४ अवलिनीओतहसुनीदिपावतीज
लवाल नंदीकालिंदीतीरहीवैगेमदनगुपा
ल १८५ वृछनाम साषीविटपीअनोकुह
क ... ड्रमपादपटहोय ब्रह्मादलीप
त्रीफलीविछदहीसहसोय १८६ कल
पतलौंतरैंतलपराचेअलपकलपसेजात
द्रतद्रुहप्यारीप्रीतमांसुधेकरतनवात १
८७ पत्रनाम परणपत्रदलवोहिरछद
जवषटकत्तकरपात तुवआगमक्रमचौ
किपियउगिउगिउत्तलौंजात १८८ पव
ननाम स्वसुनसदागतिमसतहरिअंसु
गजपतजुप्रान अनिलप्रनंजनगंधव
हिनमौनपवमान १८९ तुवतनपरम
लैपरसिजवगावनतधीरसमीर ताकोब
कुसनमांनकरिपरिरंजनवलवीर १९
० वज्रनाम असनकुलिसनेबीतन बं
न्नसुतेरीनावै परोवरकेधांमपरजे
विसककरेरसमांवै १९१ लज्यानाम क्री

लज्यात्री मात्रपासकुचनकारिविनुकाज
चलिवलिप्यारेपीवमिलिग्रोषदषातकी
लाज १९२ भ्राताताम अनुजग्रवंसनां
मिपुनजैविष्टकनिष्टकनीय लघुभ्राता
कीकामकुचमषास्यामकीतीय १९३ पि
तानांमतीतजनकसवितापिता वावातो
गुणधाम तोपहिलैनंदलालकौदेतज्ञतो
मैंनाम १९४ मदिरानां मधुमाधूीमदिरा
मिरासुरावारुणीसोय आसुवमंयकादं
वरीमधुवारामयहोय: १९५ सिंधुप्रसू
तावुद्धिहाहालासिं धोप्रसूतमदर्यायेंजो
वकतकोकहावकतहेदूत १९६
सुभावनांम प्रकृतिनिसरगासहज
अनिमविश्वससीसुभाव कोंनटेवटेढी
परीसुंदरसरिलक्षहाव १९७ समूहनांम
समुदइव्यूहसमूऊर्घनिप्रकरनिकरनि
कुरंव पूरपूगव्रजयटलचयसंचयनिध
यकदंव १९८ विसरनवहुसदोसउघ

थज्ञातगनजात अंकअनंतसमाजवड
...यामसंघात १९९ कंकजजातपलो
पंकेलयकट अनेकसुकुंद वनतकहीमे
वातयेनईतएकीबुंद २०० अतिनाम
अतिसयतसअलवेलअलेअधिकअ
त्यंततनंत अतिसर्वत्रनलीनहीकहिग
एसंतअनंत २०१ आगपानाम वडआद
सनेदेसपुनिआगपासासनजोग आइस
कैअवजोहिघरलहेप्रीतकेलोग २०२
रंचकनाम दरसतोषईषदअलपरंचकमे
दमनीक तदिप्रियसहचारितनचितेमुसकी
कुंवरितनीक २०३ पनहीनाम पदत्राण
पदपीवसुनंबपनहीजरीजराई पनहीमन
हीनीवतीआगेधरीवनाई २०४ महलना
म सोधहर्म...प्रासादतेचलीकुंवरिगति
मंद उजलजलधरतेमनोअवनीआव
तचंद २०५ मकरमरीचीनाम ज्योत्स्ना
कोमदीचंद्रिकामकरमरीचीनामजोन्ह ३०

सीपसरति गाँव मैं थ्यो रोह सि वलि जांव २
०६ वीथिंनाम रथ्या प्रएपथ तोलि का अ
हरवीथि कासोय द्दुहि विधि चली जाति
वलि जैसै लषैन कोय २०७ अधिकाई
नाम अंधतम्य अनका चतमछांतकार
रनीहार तिमर मिट्यौ मगासो फकैवदन
चंदउजियार २०८ बागनाम कृतमव
नउद्यानपुनि उपवन सोय अरांम [illegible]
दावन वागतवढ़ै पिवलि छविकी अम
२०९ वसंत नाम कुसमाकर [illegible]
नि सुरभि य ऋतु वसंत मालति मनभाव
तु रहै दिन दिन अधिक लसंत २१० पंछी
नाम [illegible]
[illegible]
पतगपतंग २११ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हितरीतेपात तवआगमआनंदतैंतनअ
नुरागछुवात २२३ पीपलनाम चलदल
पीपलगजअसनवोधत्रिषअस्वसथ पी
पलदेवलिदाहितेजोरिहाथधरिमथ २
२४ पाकरनाम थालीपाकरफलरुहा
वामास्यामानाम अंवंवसामधुदूतिका
पाकरकरतप्रणाम २२५ नूतनाम पि
कवल्लभकामांगपुनिमादिरासषसहका
र नुतरसालकीवालवलिनेजरहीफल
भार २२६ चंपानाम चंपैडचंपकसरभ
हेमपुहपसुकुमार यहचंपापांयनिप
र तिलियेंपकुप जपहार २२७ रक्तवीजह
लिकरकसुकप्रियडुममार वलिदारिम
पां[illegible]परेंकछुतुवदासनकार २२८ क
दलीनाम रंभामोचागजरसाभानुफला
सुकमार इहकदलीपां[illegible]परेतवओरनि
अनुहार २२९ नालेरनाम सुरानिसफलु
विसदाफलैतालुविल्वमालूर एश्रीफ

क

लतुवक्रुचनसमकहतवोहोविकूर २२०
क्रमदनाम नीपनालपक्किवक्रोरिमिदरी
गंधसुवांह इहकरदंवतलकोन्हजूचदि
कुदेदहमांह २२१ वहेमानाम आबिवि
भीतकेकरषफलेसंवरतकवलब्रबि
नूतावासवहेरतलकोजिनचालिमृगाश्र
बि २२२।कै वचनाम।कोलवालिकी
कपिलताविश्रइसीपुनिनांव कंमक
रतयाअंगमेकोछिनछेवालिजांय २३
सुपारीनांम घोगक्रमकगवांकपुनिपूं
गसुपारीआहि वारीवारीकहतवलिरं
चकषातनचाहि २२४ मिरचनांम ति
क्तउषणाकोलिकाकृस्नफलापुनिनां
व मिरचलतापाएपरतनलीकरीवलि
जांव १२५ पीपलनांम कोलाकृस्नाम
गधीतिरामत्वंमलास्तोय,वेदेहीस्यामाक
णासुंमीकहियेसोय २२६ इहपीपलवु
लिपगगरतकहतवोहोतप्रकार

रतनीकरिकेंचरिप्रीतमप्रानअधार २२७
सुत्रिनाम त्रिस्वानागरजगविषकमहाओ
षदीनाम हहसुंगीगुंगगुननकहतकिबा
लिवालिजांव २२८ दाखनाम स्वादीमृदु
कामधुरसाकालमेषकाहोय गुनाअवाला
गोसतनीचारफलापुनिसोय २२९ गुजानां
म वाकवच्यकाकृष्मालागुंजाकरतपुणां
म मूषजूस्यमताभनकुवालेतस्यामको
नांम २३० केसरनांम कासमीरकेंकुंम
रुधिरदेववलत्रानांम कोसमीरिडगभरि
पगगहतकहतकिवलिवलिजांव २३१
जूथिकानांम हरिणीगणिकाजूथिका
हेमपूषिकाजाय; जूथीगूथीगुननकी
गदीलितवलाय २३२ मालतीनाम सु
मनाजातीमालिकाउत्तमगंधाहोय अव
छाप्रियबादिनीराजपुत्रिकासोय २३३
ग्रहमालतीपाइपरेछूषिमहमाहेतास
कछुएकततवतनवासमसोंमिलतजास

कीवास २३५ कुंदनाम माधीकुंदालता
ललितपगानकरतबकुंनांति याकीक
लियनमेंकछूतवदसननकीक्रोति ३५
वंधुनाम वंधूजीववधूकपुनिजपाकह
तकविताहि डुपहरफूलफलियेनिसफ
लेतोहियाहि २३६ केतकीनांम तालम
षिजूरीकणाकुमाकेतकीपंकरतपाइ त
वश्रागमआनंदतेफलीग्रंगनमाइ २
३७ लोगनांम देवकुसमश्रीसंगपुनि
जापकजाकोनांव इतलवंगकीवेलिव
लियगनिपरतवलिजांव २३८ वरनांम
जरीकपरदीरकतफलवकुपदधकव
निग्रोध यहवंसीवटदेषिवलिसवरस
कोश्रवरोध २३९ सरोवरनांम कुदपु
षकरकासरफलौतवश्रनुसगससर
सीतालतफांग एहदेषिवलिमांनसरफ
लौतवश्रनुराग २४० जमुनानांम श्रनु
जातरनीजायमीकृष्णा ।।म ।।

ासवलग...
तरंगनाम अंगतरंगाकलोलपुनि
वीचसुनाय लहरीहाथपसारिजे
नांपकरतपाय २४२ तीरनाम के
पनउपकंठतरतीररोधअभ्यास
हीढिगचलिजाहिवलिएप्राणपिय
२४३ वेतनाम वंजुलसीतविंडुल
अत्रपाछिवालीर वाहवेतकुंजत
हावेठवलवीर २४४ कोकिलनाम
लरनपरिभ्रतरकडीगापिकधुनित
पवंज जनपियसुंदरतोहित्रिमठेर
हैवलिकेज २४५ सबदनाम नादन
पदरस्वरसुबिररतसुसनधनराव वे
सीकरकहतहैहेप्राणसुरआव र
६ इंद्रीनाम गोरखीकषवरणगुण
इंद्रीज्योंअसुषाय योंराधामाधवमिले
परमप्रेमकेनाय २४७ जुगलनाम जु
गलजुगमजुगाद्विद्विद्वैउभैमिथुनवि ३३

विवीय।जुगलकिसोरसदावसैनंददास
केहीया।२धणा।रसनामा।सारथमधयुनि
पूषिरसक्रमसमसारमंकरंदा।रसकेजा
नन हारजनसुनिपावेसुषकेदा।२४९।
मालानामामालाश्रवतीगुणवतीइह
जुनामकीदामाजेजनकरिहैकंठइह
कैहैछविकीधामा।२५०।।इतिश्रीमां
नमंजरीसंपूर्णा।।सं१८ ६३।मीतीभाद
वासूद१५।।शानवार।।पोथीलीतरावल
लदेवकैलीषिछैवाचैजीनरामरामा